

शस्त्र वि. (तत्.) 1. आयुध, हथियार, हाथ से चलाए जाने वाला हथियार, यथा तलवार, बरछी, कटार आदि 2. उपकरण, औजार, साधन, लोहा 3. कार्यसिद्धि का उचित उपाय 4. लाक्षणिक प्रयोग-विरोधी या शत्रु को मारने, पराजित करने या दबाने का साधन 5. स्तोत्र, कथन, कविता आदि का पाठ।

शस्त्रकर्म वि. (तत्.) **आयु.** फोड़े या नासूर आदि को चीरने का कार्य, शल्यकर्म, शल्यक्रिया। operation, surgery

शस्त्रकार वि. (तत्.) शस्त्र कारक, हथियार बनाने वाला या औजार बनाने वाला, शस्त्र निर्माता।

शस्त्रकोष वि. (तत्.) 1. शस्त्र रखने का भंडार, स्थान 2. म्यान।

शस्त्रक्रिया स्त्री. (तत्.) 1. फोड़े या नासूर आदि को चीरने फाड़ने का कार्य, नशतर लगाने की क्रिया 2. शस्त्र कर्म, शल्यकर्म।

शस्त्रगृह वि. (तत्.) जहाँ अनेक प्रकार के शस्त्र रखे जाते हों **दे.** शस्त्रागार।

शस्त्रग्राही वि. (तत्.) 1. हथियारधारी, हथियार धारण करने वाला।

शस्त्रचिकित्सा वि. (तत्.) 1. शस्त्र द्वारा उपचार या इलाज, शल्यविज्ञान, सर्जरी। surgery

शस्त्रजीवी वि. (तत्.) 1. युद्ध ही जिसकी जीविका हो, शस्त्र द्वारा जीविका चलाने वाला, शस्त्रवृत्ति 2. पुं. योद्धा, सैनिक, सिपाही।

शस्त्रज्ञ वि. (तत्.) शस्त्रविधा में निपुण, शस्त्री।

शस्त्रत्याग वि. (तत्.) 1. हथियार डालना 2. पराजय स्वीकार कर लेना 3. युद्ध आदि में समर्पण।

शस्त्रधर वि. (तत्.) 1. शस्त्रधारी, शस्त्र को धारण करने वाला 2. हथियार बंद।

शस्त्रधारी वि. (तत्.) 1. शस्त्र धारण करने वाला 2. पुं. योद्धा, सैनिक।

शस्त्रन्यास वि. (तत्.) शस्त्रों का परित्याग।

शस्त्रपाणि वि. (तत्.) 1. जिसके हाथ में शस्त्र हो, शस्त्रधारी 2. **दे.** शस्त्रधर।

शस्त्रपूत वि. (तत्.) 1. शस्त्रों से पवित्र किया हुआ 2. शस्त्रों द्वारा रणभूमि में मारे जाने और पवित्र हो जाने वाला, मुक्त हो जाने वाला।

शस्त्रप्रहार वि. (तत्.) शस्त्र की चोट या आघात, शस्त्र का प्रहार।

शस्त्रभृत् वि. (तत्.) **दे.** शस्त्रधर, शस्त्रधारी।

शस्त्रविद्या स्त्री. (तत्.) 1. हथियार चलाने की क्रिया, शस्त्र चलाने की शिक्षा देने वाली विद्या 2. धनुर्वेद नामक उपवेद 3. शस्त्र कौशल।

शस्त्र वृत्ति वि. (तत्.) 1. शस्त्र चलाने पर ही जिसकी जीविका आश्रित हो 2. **दे.** शस्त्रजीवी।

शस्त्रशाला स्त्री. (तत्.) 1. शस्त्रागार, शस्त्रगृह, शस्त्र रखने का स्थान 2. **दे.** शस्त्रागार।

शस्त्रशास्त्र वि. (तत्.) 1. **दे.** शस्त्र विद्या 2. धनुर्वेद।

शस्त्रसंहति स्त्री. (तत्.) 1. शस्त्र-संग्रह 2. शस्त्र-समूह 3. शस्त्रों का भंडार, शस्त्रागार, हथियारघर।

शस्त्रहत वि. (तत्.) शस्त्र द्वारा मारा गया जीव, जानवर, पशु, पक्षी या मनुष्य।

शस्त्रांगा वि. (तत्.) एक प्रकार की चूक, भूल।

शस्त्राख्य वि. (तत्.) 1. शस्त्रकेतु, पूर्व दिशा में उदित होने वाला एक प्रकार का केतु जिसके दिखाई देने पर महामारी फैलने की धारण है 2. लोहा।

शस्त्रागार वि. (तत्.) शस्त्रगृह, हथियारों को रखने का स्थान, शस्त्रशाला, हथियारघर।

शस्त्राजीव वि. (तत्.) **दे.** शस्त्रजीवी।

शस्त्राभ्यास वि. (तत्.) 1. युद्ध कला का अभ्यास, शस्त्रों का अभ्यास 2. हथियार चलाने में निपुणता प्राप्त करने हेतु अनेक प्रकार से शस्त्र-अभ्यास करने की विधा।